जन संचार एवं मीडिया प्रकोष्ठ
उ0प्र0 वॉटर सैक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना, पैक्ट
वाल्मी भवन, सिंचाई विभाग,
उत्तर प्रदेश,
लखनऊ

सिंचाई मंत्री मा0 शिवपाल सिंह यादव की पहल पर शुरू किए गए यू0पी0डब्ल्यू0एस0आर0पी0 द्वितीय चरण के निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूरा करें।

सीखें और सिखायें सिद्धान्त को अपनाकर किसान सिंचाई विद्यालय योजना का कुशलतापूर्वक संचालन करें।

बूँद–बूँद जल से उपजायें अधिक फसल अभियान में मीडिया का सहयोग आमंत्रिक करें।

दिनांक 29.02.2016 लखनऊ

सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री मा0 शिवपाल सिहं यादव की पहल पर उ0प्र0 वॉटर सैक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना द्वितीय चरण के सिंचाई एवं कृषि विकास से संबंधित कार्यक्रमों को निर्धारित समय–सीमा के अन्तर्गत पूर्ण करें। यह निदेश गत दिनों कृषि निदेशालय के तृतीय तल सभाकक्ष में उ0प्र0 वाटर सेक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना (UPWSRP) द्वितीय चरण वर्ष 2015–16 का एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्याशाला का शुभारम्भ करते हुए श्री मुकेश कुमार श्रीवास्तव, कृषि निदेशक ने उपस्थित सहभागी अधिकारियों को दिये। कृषि निदेशक ने कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विश्व बैंक पोषित सिंचाई विभाग की महत्वाकांक्षी परियोजना के द्वितीय चरण का शुभारम्भ हुए लगभग 3 वर्ष हो गये हैं। इस योजना के अन्तर्गत कृषि विकास से सम्बन्धित कार्यक्रमों को जिनका कियान्वयन विगत 3 वर्षों में नहीं हो पाया है, अब अतिरिक्त संसाधन लगाकर ऐसी रणनीति अपनाए जिससे बचे हुए समय में लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके।

बूँद–बूँद जल से उपजायें अधिक फसल नारे को फलीभूत करने के लिए कार्यशाला में यह निर्णय लिया गया कि विश्व खाद्य संगठन के सहयोग से कुलाबा स्तर पर संचालित किसान सिंचाई विद्यालयों का संचालन सफलतापूर्वक किया जाये जिससे की कम जल में किसान अधिक पैदावार ले सके। इस अभियान में पैक्ट/ सिंचाई विभाग की योजना सहभागी सिंचाई प्रबन्धन को भी जन–सहभागिता के आधार पर संचालित किया जाये।

इस अभिनव कार्यक्रम में मीडिया का सहयोग आमंत्रित किया जाये, जिससे की आम नागरिक को सिंचाई जल की उपयोगिता का आभास कराया जा सके जिससे कि वे जल संचयन एवं जल संवर्धन कार्यों को सुगमता पूर्वक अपना सके।

उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। उक्त कार्याशाला में डा0 ओ0पी0 पाण्डेय, संयुक्त कृषि निदेशक, शोध एवं मृदा सर्वेक्षण/नोडल अधिकारी, यू0पी0 डब्ल्यू0एस0आर0पी0, उ0प्र0, श्री एस0के0 नरूला, मुख्य अभियन्ता, पैक्ट, डा0 एस0 पी0 श्रीवास्तव, कृषि विशेषज्ञ, पैक्ट, डा0 एस0पी0 सिंह, कृषि विशेषज्ञ, स्वारा, श्री नन्द किशोर श्रीवास्तव, ट्रेनिंग को–आर्डीनेटर पिम (SIRD), डा0 के0सी0 रेड्डी, फूड एण्ड एग्रीकल्चर आर्गनाइजेशन, नई दिल्ली के प्रतिनिधि, श्री इन्द्राण यादव, सीमा, श्री इन्दल सिंह भदौरिया, मीडिया विशेषज्ञ, पैक्ट एवं परियोजनान्तर्गत मण्डलीय संयुक्त कृषि निदेशक, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, कृषि रक्षा अधिकारी, प्राविधिक सहायक, मास्टर ट्रेनर एवं विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण तथा कृषकगण सम्मिलित हुए। बैठक में कृषि निदेशक, उत्तर प्रदेश द्वारा निर्देशित किया गया की उक्त योजना जो सात वर्ष के लिए निर्धारित थी कतिपय कारणों से उक्त कार्यक्रम पॉच वर्ष में सम्पादित किये जाने हैं अतः परियोजना से जुड़े सभी अधिकारियों/कर्मचारियों का दायित्व है कि यह योजना के भौतिक एव वित्तीय लक्ष्य पॉच साल में पूर्ण करते हुए योजना के उद्देश्य को प्राप्त करें। सीखें और सिखायें की मनः स्थिति से कार्य करने की आवश्यकता है जिससे इस योजना में गति बढ़े और प्रगति भी हो।

संयुक्त कृषि निदेशक (शोध एवं मृदा सर्वेक्षण)/नोडल सेल यू0पी0एस0आर0पी0 के द्वारा परियोजना के मुख्य उद्देश्य एवं कार्यशाला आयोजन के संबंध में अवगत कराया गया, उन्होंने सिंचाई जल का प्रयोग कम करें जल दोहन का दुष्परिणाम पानी की कमी होगी। कृषि विशेषज्ञ, पैक्ट द्वारा परियोजनान्तर्गत कृषि कार्यकमों का विस्तार से जानकारी दी गयी। मीडिया विशेषज्ञ, पैक्ट श्री इन्दल सिंह भदौरिया द्वारा बताया गया कि कृषि तकनीक को स्थानान्तरित करने के लिए मीडिया की आवश्यकता आज के युग में है। मीडिया के माध्यम से किसान अनेक तकनीकों को अपना रहा है। मीडिया से कृषि तकनीक का प्रचार–प्रसार कैसे किये जा सकता है इस पर उपस्थित लोगों को जानकारी दी गयी।

अन्त में आये हुए समस्त अतिथियों/प्रतिभागियों का डा0 ओ0पी0 पाण्डेय, संयुक्त कृषि निदेशक, शोध एवं मृदा सर्वेक्षण/नोडल सेल, यू0पी0डब्ल्यू0एस0आर0पी0 उ0प्र0 द्वारा धन्यवाद देने के साथ बैठक का समापन किया गया।

सम्पर्क सूत्रः मीडिया विषेशज्ञ, पैक्ट मो0–9412205971
email-isbr27@gmail.com फैक्स 0522–2237664